हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 24 जून 2024

11 युवाओं को जल संरक्षण व नशे से दूर रहने की दिलवाई शपथ

12 भिवानी कुमार व भिवानी केसरी के लिए बाल व युवा...

खबर संक्षेप

कष्ट निवारण समिति की बैठक स्थगित

भिवानी। पंचायत भवन में 24 जून को होने वाली जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक स्थगित कर दी गई है। अब ये बैठक 28 जून को होगी। बैठक प्रदेश के पर्यावरण, वन, वन्य जीव एवं खेल राज्यमंत्री संजय सिंह की अध्यक्षता में आयोजित होगी। डीसी नरेश नरवाल ने बताया कि जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक 28 जून शुक्रवार को प्रातः 10 बजे होगी। बैठक में राज्यमंत्री के समक्ष 12 परिवाद सुनवाई के लिए रखे जाएंगे। मंत्री सिंह बैठक में रखे जाने वाले परिवादों के दोनों पक्षों को सुनने के उपरांत मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करेंगे।

दुकान के सामने खड़ी मोटरसाइकिल चोरी

बवानीखेड़ा। बाइक पर सवार होकर किरयाने का सामान लेने स्टैंड लगाकर खड़ी की बाइक को चोरी कर लिया गया। चोरी की घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। बवानीखेड़ा के सुमड़ा खेड़ा रोड निवासी आनंद ने बताया कि वह शनिवार को सांय 7 बजे नगर पालिका कार्यालय के सामने किरयाने की दुकान पर सामान लेने आया और बाइक खड़ी करके सामान लेने के उतरा। चाबी बाइक में से नहीं निकली और उसे वहीं छोड़ दिया। कुछ देर बाद सामान लेने पर बाइक को देखा तो गायब थी। काफी तलाशने के बावजूद कहीं पता नहीं चला। उसके बाद किरयाने की दुकान पर लगे सीसीटीवी की फुटेज में एक युवक बाइक को चलाकर हांसी मार्ग की तरफ ले गया।

अब कोई भी गली नहीं रहेगी कच्ची स्ट्रीट लाइटों से शहर होगा जगमग

चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने अधिकारियों को साथ लेकर सुनीं लोगों की समस्याएं

भिवानी। गली निर्माण कार्य का शिलान्यास करते और लोगों की समस्याएं सुनते नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह व अधिकारी। फाटो : हरिभूमि

चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने दो गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को नगर परिषद आपके द्वार कार्यक्रम के तहत चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने अधिकारियों को साथ लेकर वार्ड नंबर 18 व 19 के लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान लोगों ने कुछ गलियों के कच्चा होने की शिकायत की, जिस पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने कच्ची गलियों का एस्टीमेट बनवाकर जल्द काम शुरू करवाने की बात कही। इसके साथ ही दो गलियों का निर्माण कार्य शुरू भी करवाया गया। चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने कहा कि शहर की कोई भी गली कच्ची नहीं रहने दी जाएगी और शहर पूरी तरह से स्ट्रीट लाइटों से जगमग होगा।

उल्लेखनीय हैं कि सुबह नप अधिकारी चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह की अगुवाई में वार्ड नंबर 18 में पहुंचे। उन्होंने वहां वार्ड के पार्षद व लोगों से समस्याएं जानी। इस दौरान लोगों ने बताया कि कुछ गलियां कच्ची होने के कारण समस्या बनी रहती हैं। साथ ही कुछ लोगों ने बताया कि स्ट्रीट लाइटें न होने से रात के वक्त अंधेरा रहता है और भय का माहौल बना रहता हैं। इस पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने बताया कि कोई भी गली कच्ची नहीं रहने दी जाएगी, कुछ गलियों को पक्का करवाया जा रहा हैं, बाकी का काम जल्द शुरू करवा दिया जाएगा। इसके अलावा स्ट्रीट लाइटें लगवाने का कार्य भी जल्द शुरू करवा दिया जाएगा। इसके बाद नप टीम वार्ड नंबर 19 में पहुंची, वहां लोगों की समस्याएं सुनीं और उनका तत्काल हल करवाने का आश्वासन दिया। यहां पर ज्यादातर गलियों के कच्चे होने की शिकायते मिली। चेयरपर्सन प्रतिनिधि में शहर की सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

शहर को बनाया जाएगा स्वच्छ व साफ-सुथरा

नप चेयरपर्सन भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि शहर को साफ-सुथरा व स्वच्छ बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। हर वार्ड की प्रत्येक गली को पक्का करवाया जाएगा। गलियों में स्ट्रीट लाइटें लगवाई जाएगी, ताकि शहर रात के समय जगमगाता रहे और रात को भी शहर सुंदर नजर आए। शहर में हर तरफ स्ट्रीट लाइटें लगने से वार्डवासियों को राहत मिलेगी और उन्हें भय से साए में जीवन नहीं जीना पड़ेगा।

नप आपके द्वार शिविर लगाकर तुरंत करेंगे समाधान : भवानी प्रताप

नप चेयरपर्सन भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि प्रत्येक वार्ड में नप आपके द्वार शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक वार्ड में कार्यक्रम होने से संबंधित पार्षद व जनता से समस्याएं जानी जाएंगी। ऐसे शिविरों से वार्डो में कच्ची गली व स्ट्रीट लाइटें आदि की समस्याओं का तुरंत समाधान हो सकेगा। इस मौके पर पार्षद शिवकुमार,पार्षद अनिल, नौरंग सिंह, जैना सिंह, हपली सिंह, कृष्ण कुमार व निक्कू आदि मौजूद थे।

हर वार्ड में लगेंगे नप आपके द्वार शिविर

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि शहर के प्रत्येक वार्ड में नप आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसके माध्यम से लोगो व संबंधित पार्षद से गली, स्ट्रीट लाइट व सफाई से संबंधित समस्याएं सुनी जाएंगी और उनका निदान भी किया जाएगा। इसके साथ ही जो गली कच्ची होगी, उसे पक्का करवाया जायेगा। प्रत्येक वार्ड के लोगों की समस्याएं वहीं आकर सुनीं जाएंगी, ताकि जनता को राहत मिल सकें।

भिवानी। रोज गार्डन के सामने पुतला फूंकते युवा। फाटो : हरिभूमि

नीट में गड़बड़ी को लेकर सरकार का पुतला फूंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- नीट से लेकर नेट तक, सीईटी से लेकर एचसीएस तक, केन्द्र से प्रदेश तक भाजपाराज में हर जगह पेपर लीक व भर्ती अनियमितताओं का बोलबाला

नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव नीटू चरखी के नेतृत्व में रोज गार्डन के सामने केंद्र सरकार का पुतला फूंका और रोष प्रकट किया। नीटू चरखी ने कहा कि नीट से लेकर नेट तक, सीईटी से लेकर एचसीएस तक, केन्द्र से प्रदेश तक भाजपाराज में हर जगह पेपर लीक व भर्ती अनियमितताओं का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में हो रहे घोटालों और पेपर लीक के मामलों से स्पष्ट हो गया कि केंद्र की भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ कर रही है। बार बार सभी परीक्षाओं के पेपर लीक होने के चलते दिन रात मेहनत करने वाले यवुक और युवितयों का हौसला टूट रहा है। उनके सपनों पर कुठाराघात हो रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर युवाओं के हितों पर कुठाराघात करने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य में हो रहे इस खिलवाड़ के खिलाफ देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने हुंकार भरी है और पेपरों में धांधली के विरोध युवा कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा में छोटी से छोटी लापरवाही की गंभीरता से जांच होनी चाहिए, पेपर लीक अपराध एवं उनके विरोध सख्त कानून बनाया जाना चाहिए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर सुनील डाला, अजेश चरखी, सोनू सांगवान, मोनू बलकरा, अमित डागर, परम सांगवान, हिमांशु चरखी, जतिन सांगवान, नीरज रावलधी, मोनू फौगाट, प्रीत जांघू, सुबोध सांगवान आदि उपस्थित थे।

भिवानी। बैठक में प्रतियोगिता की तारीखों पर चर्चा करते पदाधिकारी।

आईसी जैन और डॉ. विजय बने सीनियर वाइस प्रेसिडेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- जिला बैडमिंटन एसोसिएशन टीम का किया गया गठन

जिला चरखी दादरी बैडमिंटन एसोसिएशन की बैठक प्रधान पंकज जैन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में अनेक विषयों पर चर्चा हुई, जिनमें मुख्य रूप से एसोसिएशन पदाधिकारियों को नियुक्ति और वार्षिक प्रतियोगिता के लिए तारीखों का चयन किया। कार्यकारिणी विस्तार के लिए प्रधान पंकज जैन को अधिकार सौंपा।

उन्होंने सीनियर वाइस प्रेसिडेंट पद के लिए आईसी जैन व डॉ. विजय शर्मा को जिम्मेदारियां सौंपी। वहीं जिला बैडमिंटन एसोसिएशन उपप्रधान सुनील गर्ग को मनोनित किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि जिले के बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए अधिक से अधिक काम करने का प्रयास किया जाएगा। इसके बाद वार्षिक प्रतियोगिता के लिए 13 व 14 जुलाई की तिथि तय की गई। जैन ने बताया कि ये आठवीं जिला स्तरीय प्रतियोगिता होगी।

ये रहे मौजूद

इस दौरान संरक्षक तिलक जैन, डॉक्टर बीएन वर्मा, एचसी गोदारा, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सुरेश गोयल, महासचिव लोकेश गुप्ता, दिनेश मुंजाल, मनीष जांगडा, मुकेश फौगाट, दीपक शर्मा, मनीष जांगडा, अधिवक्ता अरूण जैन, अभिषेक जैन आदि उपस्थित थे।

पोल पर तिरंगा न होने पर कस्बावासियों ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

दो दिन में राष्ट्रीय ध्वज नहीं लगाने पर जाम की चेतावनी

बवानीखेड़ा स्थित शहीद गुलाब सिंह पार्क में लगे लगभग 100 फुट के पोल से राष्ट्रीय ध्वज अचानक गायब होने पर कस्बावासियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया, जिसको लेकर उन्होंने रोष जताया। उन्होंने कहा कि तिरंगे न होने के कारण पार्क व कस्बा की शान धूमिल हो रही है।

कस्बावासियों का कहना हैं कि झंडा कई दिनों से पोल पर नहीं लगा हैं। आगामी दो दिनों में इसे प्रशासन ने तिरंगा नहीं लगवाया तो कस्बावासी रोड जाम करेंगे। उल्लेखनीय है कि नपा का ये पार्क देश की रक्षा के लिए शहीद हुए वीर शहीद गुलाब सिंह के नाम पर स्थापित किया है,

जिसमें शहीद की प्रतिमा स्थापित व पेड़-पौधे, झूले लगाए गए हैं। इसमें शहीद की प्रतिमा की शान में लगभग 100 फुट से अधिक का पोल लगाया है जिस पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झंडा लगाया था। पार्क में पोल पर झंडा कस्बा की शोभा में चार चांद लगान का कार्य करता है। कस्बावासी अनिल शर्मा, ललित सैनी, जोगेन्द्र काजल, सोनू नोहडिया, सन्नी नोहडिया, बिहारी लाल, बिनू, राजू, नितिन पारासर आदि ने रोष जाहिर करते हुए कहा कि पार्क के पोल पर लगा झंडा पिछले कई दिनों से गायब है, जिससे पार्क व कस्बा की सुंदरता धूमिल हो रही है। सभी ने विभाग से इसे आगामी दो दिनों में लगाने की मांग की, ऐसा न करने पर रोड जाम करने चेतावनी दी हैं।

वहीं इस बारे में नगर पालिका अकाउंटेंट शिवपाल ने बताया कि शहीद गुलाब सिंह पार्क कस्बा की शान है। पार्क में पोल पर लगाया फ्लैग मैला हो गया था, जिसे वाशिंग के लिए भेजा है, जल्द दोबारा लगा दिया जाएगा।

थाना प्रभारी ने भारी वाहनों के लिए लगाया नो एंट्री बोर्ड

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के नागरिक अस्पताल से हांसी चुंगी तक बिचले मार्ग पर भारी वाहनों के चलते रोजाना भय का माहौल बना हुआ था और कस्बावासी काफी परेशान थे। कस्बावासियों के लिए पुलिस प्रशासन ने नई मुहिम अपनाई और नागरिक अस्पताल व हांसी चुंगी पर भारी वाहनों की नो एंट्री के लिए बोर्ड लगा दिया। थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि रोजाना कस्बावासी की शिकायतें मिल रही थी कि भारी वाहन तेज गति से वाहनों को लेकर बवानीखेड़ा के अंदरूनी मार्ग से गुजरते हैं, जिससे एक्सीडेंट व बड़ा हादसा होने का भय बना रहता है। हालांकि संबंधित विभाग द्वारा बेकर भी लगाए हैं, लेकिन कुछ वाहन चालक अनियंत्रित होकर वाहनों को चलाते हैं। इसके चलते मार्ग के दोनों तक समय सीमा दशार्ते हुए बोर्ड लगाए गए हैं ताकि इन पर अंकुश लगाया जा सके।

होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित कर मनाया संत कबीरदास का प्रकट दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

संत शिरोमणि कबीरदास महाराज ने शिक्षा को ही समाज की तरक्की की एकमात्र राह बताया था, उनका मानना था कि जिस राष्ट्र के युवा शिक्षित होंगे, उसकी तरक्की को रोकना असंभव है, ऐसे में संत कबीरदास महाराज की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था व संत दुर्बलनाथ शक्तिपीठ संस्थान ट्रस्ट ने संयुक्त रूप से शनिवार को एक होटल में सम्मान समारोह एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया।

कार्यक्रम में अतिथि हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के वाइस चेयरमैन विजेंद्र बड़गुज्जर ने शिरकत की। कार्यक्रम में सान्निध्य स्वामी अनिलराज ने उपस्थित लोगों को ध्यान करवाया।

- संत महापुरूषों के दिखाए मार्ग पर चलकर जीवन बनाएं खुशहाल : बड़गुज्जर

भिवानी। होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि।

उन्होंने कहा कि ध्यान एक प्राचीन मानसिक एवं शारीरिक अभ्यास है, जो मन को शांत और केंद्रित करने में मदद करता है। इस दौरान एकेडमिक एंड स्पोर्ट्स में अव्वल आने पर उत्कर्ष बड़गुज्जर, अंजली सैनी, प्रीति सैनी, रूद्राक्ष संभ्रवाल, वंश धानिया, मयंक बेडवाल अंशुल भुक्कल व अंशु सहित होनहार विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, एनसीसी कैडेट्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले युवाओं को सम्मानित किया।

आडंबरों का किया विरोध

हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के वाइस चेयरमैन विजेंद्र बड़गुज्जर ने कहा कि संत कबीरदास महाराज ने युवाओं को शिक्षा के दम पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर राष्ट्र की तरक्की का मार्ग दिखाया था। उन्होंने जाति-पाति सहित आडंबरों का विरोध कर सादा जीवन-उच्च विचार की परिभाषा भी बताई थी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी, पार्षद विनोद प्रजापति, अश्विनी संभ्रवाल, विकास जांगड़ा, धर्मबीर यादव, हरिओम, जोगेंद्र, नरेंद्र भुक्कल, प्रेम यादव, सुरेश धानिया, अधिवक्ता अजय आदि मौजूद रहे।

गांव दिनोद के राधा स्वामी आश्रम में परमसंत कंवर साहेब ने भक्तों को प्रवचनों से किया निहाल

मन इंसान का सबसे बड़ा शत्रु, यह हमें असत्य में फंसाता हैं: कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सन्त किसी के आश्रित नहीं होते, बल्कि सम्पूर्ण जगत सन्त पर आश्रित रहता है, सन्त तो जो चाहे कर सकते हैं, वे सेवा भी भक्ति के पिपासु से ही लेते हैं, जिसके हृदय में कपट है वो उनके वचन को नहीं परख सकता।

सत्य को जानने के लिए हृदय को भी सच्चा बनाना पड़ेगा, ये सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने दिनोद गांव में राधा स्वामी आश्रम में फरमाए। हुजूर महाराज ने कहा कि पूरा संसार ही माया के फेर में उलझा हुआ है, माया नाम ही मृगतृष्णा का है। उन्होंने कहा कि मृगतृष्णा का अंत सन्तों की शरणाई से ही हो सकता है। परमात्मा वो हीरा है, जिसके बाहर माया ने अनेक ताले लगा रखे हैं, इन तालों की चाबी केवल सतगुरु के पास है और चाबी केवल गुरुमुख को ही मिलती है। अब सवाल यह कि गुरुमुख की पहचान कैसे हो, गुरुमुख वो है जो अपने मन की बजाय गुरु के वचन पर आश्रित हो। गुरुमुख गुरु के वचन पर संशय नहीं करता। उसका एक एक पल सेवा, प्रेम और समर्पण में बीतता है। गुरु महाराज ने फरमाया कि गुणों का प्रवाह एक या दो दिन का नहीं होता बल्कि यह तो जीवनभर की परीक्षा है।

खुद को ठीक करलो सब ठीक हो जाएगा

कंवर साहेब ने कहा कि हम कितने कृतघ्न है जो सब कुछ देने वाले परमात्मा को भी भुला बैठे हैं। ये मन इंसान का सबसे बड़ा शत्रु है, क्योंकि ये हमें सत्य से हटाकर असत्य में फंसाता है। सुलझाने वाले रास्ते से हटाकर सारी उलझाने वाली बातों में फंसाता है। मनुष्य का चौला मिला है तो इसके कर्तव्यों को निभावो, अपना बर्ताव एवं स्वभाव सुधारो, खुद को ठीक करलो सब ठीक हो जाएगा।

जीवन के लक्ष्य को पहचानो

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एक दिन के त्याग बलिदान के कारण महात्मा नहीं बने बल्कि जीवनभर के आदर्शों से महात्मा बनें, कितने उदाहरण संसार में भरे पड़े हैं। हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि भक्त प्रह्लाद, मीराबाई, रविदास, सैन भगत एक दिन के परोपकार या परमार्थ से भक्त नहीं बने, बल्कि जीवनभर के लिए उन्होंने इस मार्ग को चुना। जीवन के लक्ष्य को पहचानो, अच्छा करने से अच्छा होना है तो किसी का बुरा क्यों सोचे, अपने लिए नहीं औरों के लिए जीना सीखो, स्वार्थ के लिए इंसान प्रकृति को अपना दुश्मन बना बैठा।

जनजीवन के दृश्यों को महत्व

रेनू व हिमानी के चार चित्रों में प्रकृति सुषमा के साथ-साथ जनजीवन के दृश्यों को महत्व दिया है। प्रकृति व संस्कृति का अद्भुत तालमेल होता है। यहीं सामंजस्य इन बाल कलाकारों ने अपने चित्रों में दिखाया है। अनुराधा, रितू, सीमा व सूरजमुखी ने अपने चित्रों में हमारे समाज में फैली बुराइयों के खिलाफ रंगों के माध्यम जंग लड़ी है। इससे पता चलता है कि समाज में कोढ़ की तरह फैली बुराइयां इन्हें कौंधती हैं। बाल कलाकार सीमा प्रकृति प्रेमी है। उसने एक चित्र में सूर्योदय के समय टहनी पर बैठा पक्षी युगल जैसे सुख-दु:ख की बातें कर रहा हो, बनाया है।

बच्चों की कूची से निकले मुंहबोलते संदेश

बालमन सामाजिक समस्याओं को लेकर संजीा रहते हैं। जब उन्हें इस पर अपनी इच्छा से अभिव्यक्ति की आजादी दी जाती है तो वे लेखन या चित्रों के माध्यम में वे तस्वीरें उकेर देते हैं जिनकी कई बार बड़े कल्पना भी नहीं रि सकते। पेंटिंग भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है जो दर्शक को भीतर तक झकझोर कर रख देता है।

कला | डॉ. सुमन कादयान

देशभक्ति के भाव जगाते चित्र

ग्यारहवीं कक्षा की खुशी एक कुशल चित्रकार है। उसने शहीद भगत सिंह, छत्रपति शिवाजी के सुन्दर चित्र बनाए हैं जो देशभक्ति के भाव जगाते हैं तो वीरता का एहसास करवा रहें है। एक चित्र में श्रीमद्भगवत गीता के महत्त्व व हमारे जीवन पर उसके प्रभाव को खूबसूरती से दिखाया है। एक अन्य चित्र में दिखाया है कि सिगरेट का धुआं जीवन को काला करके जीवन में खुशहाली के समस्त रंग गायब कर देता है। नौवीं कक्षा की मोनिका ने सूर्योदय-सूर्यास्त के समय का स्वर्णिम वातावरण तथा बसन्त के इन्द्र धनुषी रंग कुशलता से चित्रित किए हैं।

कला के शिखर पर पहुँचने के बाद विश्व विख्यात चित्रकार पिकासो ने कहा था, 'मैं किसी भी बड़े कलाकार की नकल कर सकता हूँ, किन्तु बच्चों की कला की नकल नहीं कर सकता।' उन्होंने यह इच्छा भी जाहिर की थी कि मैं बच्चों जैसे चित्र बनाना चाहता हूँ। पिकासो की इस इच्छा से ज्ञात होता है कि पिकासो बच्चों को साधारण चित्रकार नहीं मानते थे और वो यह भी समझते थे कि बिना किसी दबाव या प्रभाव के, नितांत मौलिक ढंग से चित्र बनाना बालमन से ही सम्भव है। बच्चों द्वारा खेल-खेल में सृजित चित्रों को बाल चित्रकला के अंतर्गत रखते हैं। उनके द्वारा चित्रित कलाकृतियां कई मायनों में उल्लेखनीय होती हैं।

बच्चों द्वारा बनाए चित्रों के पीछे भी एक तार्किकता होती है तथा इसके मनोवैज्ञानिक अध्ययन से उनकी मनोवृत्ति का स्पष्ट आभास मिल सकता है। यह सत्य है कि बच्चों में ड्राईंग के प्रति स्वाभाविक रुझान होता है। जब बच्चों में चित्र बनाने की बात छेड़ी जाए तो उनमें अनायास ही उत्साह आ जाता है तथा चित्र बनाने के लिये लालयित हो जाते हैं। चित्र बनाते समय उन्हें आनन्दानुभूति होती है। नई स्फूर्ति जागृत होती है। ऐसा माना जाता है कि बालक के अपरिपक्व मस्तिष्क में जो विचार कौंध रहे होते हैं अथवा जो भावनाएं उनके अंतर्मन को किसी एक क्षण में आंदोलित कर रही होती हैं, रेखाएं उसके हाथ उन्हीं का आकर लेगी।

अनदेखी

पटाखे बजाना शान समझते हैं लोग, जहरीली हो रही शहरों गांवों की आबोहवा

कब्जा

अपने कुछ देर के शौक के लिए ऐसे लोगों का दम घोट देते हैं, जिनको सांस की बीमारी है

चित्रों में अभिव्यक्ति की तार्किकता

बाल चित्रकारों के मन पर आसपास के वातावरण का प्रभाव भी पड़ता है। जो बच्चा देखता है, भोगता है या महसूस करता है उसे अपने चित्रों में स्थान देता है। हालांकि बच्चों की चित्रकारी के मुख्य विषय पेड़ पौधे, चिड़िया, बिल्ली, चूहा, पहाड़, झरने, पतंग, झूले, तितली, बादल, फूल आदि होते हैं, किन्तु थोड़ी परिपक्वता आने पर बच्चा या किशोर पूरे परिवेश को जानने, समझने लगता है। उसकी यही परिपक्वता उसके चित्रों में आने लगती है। वह सामाजिक बुराइयों, आडम्बरों, बढ़ते प्रदूषण, छल-कपट को अपने चित्रों के विषय बनाकर उनके खिलाफ लड़ना आरम्भ करता है, तो पर्यावरण सरंक्षण पर गम्भीरता से सोचता है। बच्चों के चित्रों में उनकी अभिव्यक्ति झलकती है। ऐसी ही अभिव्यक्ति की झलक, पर्यावरण व भटकते हुए समाज की चिन्ता पिछले दिनों छात्राओं द्वारा बनाई पेंटिंग प्रदर्शनी में देखने को मिली। बाल व किशोर कलाकारों द्वारा बनाए चित्र मात्र रंग-ब्रुश, स्कैट या मोम रंगों से बनाए चित्र भर नहीं थे, बल्कि इन चित्रों को बनाते समय छात्राओं ने गहरे विवेक, बेहतरीन सोच व कला दक्षता का प्रमाण दिया है। इन चित्रों को बनाने के पीछे छात्राओं की सकारात्मक सोच, समाज व पर्यावरण की चिन्ता साफ झलकती है। चित्रों को देखने, परखने पर ज्ञात होता है कि वो समाज से बुराइयों को उखाड़कर अमन-चैन, समानता, भाईचारा चाहती हैं। वो प्रदूषित नहीं बल्कि साफ-सुथरा व हरा-भरा वातावरण चाहती हैं। ये कलाकार नहीं चाहते कि हम जिस समाज में रहते हैं वो कुण्ठित, नकारात्मक, द्वेषी, स्वार्थी हो। इन बाल व किशोर चित्रकार छात्राओं के चित्र गहराई से देखते हैं तो बड़ों को भी सोचने-समझने पर मजबूर कर देते हैं।

प्रकृति की सत्ता के दर्शन

बारहवीं कक्षा की छात्रा करिश्मा द्वारा बनाए कई चित्रों में प्राकृतिक सौन्दर्य कुदरत का करिश्मा, प्रकृति की सत्ता को दर्शाया है। एक पेंटिंग में गहरे जंगल के बीच से बहती नदी से एक बाघ पानी पीकर अपनी प्यास मिटा रहा है। बाघ पानी पीता-पीता नदी में तैर रही दो बड़ी बत्तखों को भी देख रहा है। जंगल के बीच से हरे पड़ों के ऊपर नीले आसमान में कुछ बादलों के झुण्ड दिखाई दे रहे हैं। जैसे वे जल्दी ही पूरे आसमान में छाकर पानी बरसा कर पूरे जंगल की प्यास मिटाने की तैयारी कर रहे हैं। नदी के पानी में पेड़ों व बादलों का सुन्दर बिम्ब आकर्षण पैदा कर रहा है।

नशे से दूर रहने के संदेश

एक अन्य छात्रा सुशीला ने एक शहर की बहुमंजिला कंकरीट की इमारतें, सड़क पर वाहनों की भरमार तथा उनसे निकलने वाला जहरीला धुआं दम घोटता दिखाया है। किशोर कलाकार ने दिखाया है कि बढ़ती इमारतों के कारण जंगल कम हो रहे हैं। पीने का पानी भी जहरीला व कम हो रहा है। लाल रंग से बनाया आसमान खतरे का संकेत है। कलाकार ने पानी बचाने की प्रेरणा भी दी है। दूसरी पेंटिंग में नशे के दुष्परिणाम को दर्शाया है कि जो नशा करता है उसका मान-सम्मान, धन, स्वास्थ्य सब कुछ प्रभावित होता है तथा परिवार को भी भुगतना पड़ता है। बारहवीं कक्षा की ही छात्रा पूनम ने भारी जंगलों से लदे पहाड़ों के सामने बनी प्राकृतिक झील में छोटे से टापू पर एक नव युवती पत्थर पर बैठी प्राकृतिक सुषमा का रस-पान कर रही हैं। ठण्ड का एहसास करने के लिए पैर पानी में डुबाए हुए है। दोनों ओर भारी जंगल, फूलों से लदी जंगली झाड़ियां, दूसरी ओर साफ नीले पानी की झील तथा पीछे ग्लेशियरों से अटी पड़ी पर्वत चोटियाँ चित्र को सुन्दरता व आकर्षण पैदा कर रहे हैं। जंगल के आगे मादा जेबरा व उसका बच्चा निश्चिंत खड़े दिखाए हैं। एक अन्य पेंटिंग में कुछ कटे हुए, कुछ सूखे हुए पेड, काले रंग में दिखाए हैं। जमीन पेड़ो के बिना बन्जर, धूसर,लाल-पीले रंग में दिखाई है। इसका असर आसमान पर भी नजर आ रहा है।

कविता | निधि राठी

पुराना मकान

एक घर था जो ढह गया,
एक वक्त था जो बीत गया,
अब दीवारों से खिलखिलाहट झड़ने लगी है,
मेरी यादें मुझसे मुंह मोड़ने लगी हैं।

सब कुछ तो छोड़ जाना है एक दिन,
फिर क्या तेरे संग क्या तेरे बिन,
कुछ ऐसे गिन कर दिन गुजार रही हूं,
मानो किसी का क़र्ज उतार रही हूं।

वो रह गया अंदर जो कहना था,
कुछ सह चुके थे,
पर शायद अभी और सहना था,
आंगन में नीम का पेड़ मुरझाने लगा है,
गांव की गलियां सुनसान देखी,
तो लगा गांव भी शहर सा होने लगा है।
तस्वीर टूटने वाली है,
कांच बिखरने वाला है,
एक तूफ़ान सब बरबस हो जाएगा,
रोक ले नहीं तो पराया हो जाएगा।
खौफ आता है इन दरारों से,
जो मेरी चौखट में आई है,
वो दूर खड़ी जो हंस रही है,
मैं हूं या मेरी परछाई है।
दरवाजा बंद नहीं होता,
शायद अकड़ गया है,
देखकर इस पुराने मकान की
हालत मेरा दिल बैठ सा गया है,
मकड़ी के बनाए जाल इस
बात का गवाह है,
वीरान रहा, बारिश, ठंड, धूप,
आंधी सब अकेला ही सहता रहा।
खिले फूल किसी एक कोने में
चुपचाप लहराते रहे,
संदूकों में जंग लग गया,
वो कपड़े, गहने यूं ही सड़ते रहे,
मैं जाऊंगी इस जहां से तो
सबको बता कर जाऊंगी,
किला ढह जाएगा,
शोहरत मलबे में दब जाएगी,
रुतबा बिखर जाएगा,
जमीनें भी लूट ली जाएंगी।

रागनी | राजपाल सिंह गुलिया

धूणे पै ज्यूँ साधू तपता,
न्यूँ याह तपती धरती .
आज हवा भी तपी-तपाई,
मरण मारण न फिरती।

रूँख खड़े ये तपैं घाम मैं,
सिर नीचे न करकै .
जबरे आग्गै हीणा कोए,
खड़्या हुया ज्यूँ डरकै .
धूप आज याह दिन धौली में,
खड़ी बरू नै चरती।

फिरैं देख ल्यो ढोर तिसाए,
नहीं झोड़ मैं पाणी .
पेड़ काटण नै कह तरक्की,
दुनिया याह गिरकाणी .

घर तैं बार लिकड़ते लू भी,
[illegible]ुरी नाड़ पै धरती .

खबर छपी सै और पड़ैगी,
कुछ दिन दबकै गरमी .
नौतपे मैं योह सूरज देवता,
बरतै कोन्या नरमी .
सूरज नै किरणां की लागै,
नई करी सै भरती।

सूरज बाबा दया करो कुछ,
जी लिकड़ण नै होर्या .
पेड़ काट कै माणस अपणी,
इस करणी पै रोर्या
इसी गरमी कदे देख्यी ना,
लाग्यी कहण सुमरती।

गीत | भूपसिंह 'भारती'

गर्मी का महीना

गर्मी का महीना लू चालै घणघोर।
जेठ मास म्ह गर्मी, दिखलावै अपणा जोर।।

सूख गए सब, ताल तलैया,
ये पंछी मवेशी, प्यासे मैया,
प्यासी धरती मैया, अर प्यासा मरता मोर।

घाम पड़ै यो, चाम जळावै,
ऐडी चोटी लग, पसीनो आवै,
सबनै भोत सतावै, ना दीखै कोई ठोर।

सूरज का भई, देख तरारा,
फूंक दिया, सुख चैन हमारा,
दोषी सा हम सारा, ना दोषी कोई और।
ग्लेशियर भी, पिंघलण लागे,
फूटै भाग जै, इब नहीं जागे,
फेर बुरी हो म्हारै सागे, जै करी नहीं रै गोर।

गर्मी से बचने का, इलाज सै एक,
पेड़ लगाओ, घर घर म्ह अनेक,
कहै 'भारती' देख, बात ना करनी या इग्नोर।

कविता | अन्नू प्रिया

वापस हम नहीं आते

जिन रिश्तों के बिना रह नहीं सकते
उन्हें जरा सी बात लिए रुलाया नहीं करते
जिनके बिना जिंदगी अधूरी लगे
उनकी बातों को जाया नहीं करते

जायज नहीं हरवक्त उन्हें सताना
किसी दिन उनके रुठ चले जाने पर
शायद फिर रिश्तों में आया नहीं करते
ये कसम और वो वादे भी व[illegible]जाते
जब दिल से लोग उतर जाया करते।

कमियों की दुकान रह जाते हैं रिश्ते
हर गम अपने दिल का, दिल में रखते
हर किसी को बताया भी नहीं करते।
हलक पर आवाज जब सच नहीं बोलते
तो चुप्पियों से जज्बातों के मंजर बदलते
समंदर के तूफान की तरह, बस शांत हो जाते।

कुछ भी न रहा रिश्तों में जब वो फिर आते
तो फिर वो मुझ पर हक क्यों जताते
सोचते हैं जोड़ तोड़ छोड़ में रिश्ते आजमाते
पता नहीं उन्हें, छोड़े हुए रिश्तों में वापस हम नहीं आते।

लघुकथा | गोविन्द भारद्वाज

दहलीज

किसी के घर में अनहोनी हो गई। घर की इज्जत तार-तार हो गई। सब लोग दहलीज की दुहाई दे रहे थे। उसी समय घर के दरवाजे ने एक तरफ पड़ी पुरानी दहलीज से पूछा, 'आजकल लोग तुम्हारी मर्यादा भूल गए हैं ...किसी को तुम्हारी इज्जत की परवाह नहीं है। जो चाहे वो तुझे अमर्यादित तरीके से पार कर जाता है...ऐसा क्यों?
'दहलीज ने जवाब दिया, 'आज दहलीज ही कहाँ रही है घरों में ...जब दहलीज ही नहीं तो कैसी मर्यादा या अमर्यादा।'
'वो कैसे?' दरवाजे ने पूछा।
'वो ऐसे कि खुद के नीचे झांक कर देख...है कहीं दहलीज..।' दहलीज ने दु:खी मन से जवाब दिया।

कविता | लवली आनंद

दुनिया का रंग

मुझे दुनिया के रंग
में रंगना नहीं आया,
मुझे दुनिया के ढंग
में ढलना नहीं आया,
समय से चूक कर मैं
बेमौत मारी गई कई बार,
मुझे सूरज की भाँति
ढल कर बस निकलना
ही आया हर बार,
दु:ख आया और
दु:ख के बाद सुख भी
आया हर बार
पर दु:ख में रोना नहीं आया
एक भी बार,
दु:ख आते गए दु:ख के साथ
संघर्ष भी बढ़ता गया पर
संघर्ष में उफ्फ कर
के भागना नहीं
आया एक भी बार,
बहुत साथी मिले फिर
बिछड़ भी गए जो गए
सो गए मैं उन्हें मुड़ कर
देखी
न एक भी बार,
अब उन सबका
समय ही हिसाब करेगा..

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पहल | **सौ मीटर की प्रतियोगिता में 10 कदम नहीं दौड़ पाने वाले कुकणा अब 40 किलोमीटर कुछ ही घंटों में नाप रहे**

गौरव

70 वर्षीय पत्नी शांति भी गौरव महसूस कर रही है

गुर

41 वर्षीय बेटे को भी गुर सीखने शुरू किए

परख

प्रतियोगिताओं में बेटे की प्रतिभा की परख कर रहे

उम्र के आखिरी पड़ाव में भी प्रेरणास्रोत बने रामस्वरूप

जज्बा | दलबीर सिंह भूना

हसंगा गांव के 75 वर्षीय रामस्वरूप कुकणा आज देशभर में लोगों के लिए उदाहरण हैं कि उम्र चाहे जो भी हो अगर हौसले बुलंद हैं तो दूसरों का मोहताज नहीं होना पड़ता, बिना एथलेटिक्स कोच के आज वह अकेले ही आत्मनिर्भरता के साथ एथलेटिक्स खेलों में प्रतिद्वंद्वी प्रतिभागियों को पछाड़ रहे हैं। रामस्वरूप कुकणा ने मुंबई मैराथन 2024 में 42 किलोमीटर की फुल मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान 3 घंटे 39 मिनट 9 सेकंड में दौड़ पूरी करके पहला स्थान हासिल किया। वहीं 21, 10 व 5 किलोमीटर की दौड़ में गोल्ड मेडल जीतना रामस्वरूप कुकणा के लिए बाएं हाथ का खेल

बन चुका है। बुजुर्ग के हौसले बुलंद देखकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गोल्ड मेडलिस्ट को सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त बेंगलुरू, दिल्ली, लखनऊ, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक, देहरादून आदि राज्यों में अपनी प्रतिभा के उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर 70 से ज्यादा गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। हालांकि हसंगा गांव के इस बुजुर्ग ने पूरी जवानी को किसानी में लगा दिया,मगर बुढ़ापे में गांव स्तर पर गत 5 वर्ष पहले हुई मनोरंजनदायक दौड़ प्रतियोगिता में कंसे गए कटाक्ष भरे व्यंग्य के बाद चुभती हुई बात सुनकर 75 वर्षीय रामस्वरूप कुकणा की पूरी जिंदगी बदल गई और देशभर में प्रतिभावान एथलेटिक्स बन गए।

प्रतियोगिता में बदला नजरिया

ग्राम पंचायत हसंगा ने करीब 5 वर्ष पहले मनोरंजन दायक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया था। उपरोक्त प्रतियोगिता में बुजुर्गों की भी दौड़ शामिल की गई थी, जिसमें रामस्वरूप कुकणा ने 70 वर्ष की आयु वर्ग की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में भागीदारी सुनिश्चित की थी और जब दौड़ रहे थे तो अचानक जमीन पर जा गिरे। मगर इसी दौरान प्रतिभागी ने रामस्वरूप को चुभती हुई बात कह दी। उसी दिन से ही खेती-बाड़ी को छोड़कर एथलीट खेलों में अपना जीवन समर्पित कर दिया और तब से लेकर आज तक पीछे मुड़कर नहीं देखा। क्योंकि 100 मीटर की प्रतियोगिता में 10 कदम नहीं दौड़ पाने वाले रामस्वरूप कुकणा अब 40 किलोमीटर कुछ ही घंटों में नाप रहे हैं। इसलिए बुढ़ापे की दहलीज पर जाकर नाम रोशन कर रहे हैं।

बुजुर्ग खिलाड़ी पर गर्व

सरपंच हसंगा के सरपंच वकील सहारण व पूर्व सरपंच सुरेंद्र लांबा ने बताया कि रामस्वरूप कुकणा देशभर में दूर- दराज जाकर एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल जीतकर हरियाणा का डंका दूसरे राज्य में बजा रहा है। इससे हमारी संपूर्ण पंचायत एवं ग्रामवासी गर्व महसूस करते हैं। एथलेटिक्स ने उम्र के आखिरी पड़ाव में भी दौड़ लगाकर शारीरिक रूप से मजबूत कर लिया है। क्योंकि महाराष्ट्र, बैंगलोर, दिल्ली, लखनऊ जैसे राज्य में एथलीट प्रतियोगिता में प्रथम नंबर पर आना अपने आप में रामस्वरूप कुकणा की उत्कृष्ट प्रदर्शन की एक बहुत बड़ी मिसाल है।

इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़ संस्कृति को बढ़ा रहे सुमित

◆ नौकरी से ज्यादा लोक गायकी में बेहतर करियर ◆ हरियाणवी कवियों में से पंडित लखमी चंद आदर्श रहे ◆ लोककला और लोक गीतों की स्थिति दयनीय

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी लोक कला एवं संस्कृति में रची बसी सांग और रागनियों की गूंज सात समंदर पार तक सुनाई देती है। इसका श्रेय सूबे के लोक कलाकारों को है, जिसमें हरियाणवी लोक संस्कृति की अलख जगाने के लिए अलग विधाओं में हरियाणा को पहचान दी है। ऐसे ही लोक कलाकारों में हिसार के सुमित सातरोड ऐसे रागनी गायक हैं, जिन्होंने सामाजिक, आध्यात्मिक, वीर रस की गाथाओं की विधाओं में अपनी अलग पहचान बनाई है। वहीं सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों को रागनी गायन के जरिये समाज के सामने परोसते हैं। सुमित ने समाज को सकारात्मक दिशा देने के लिए इंजीनियर की नौकरी को त्यागकर रागनी गायन शैली को अपनाया है। लोक कला के क्षेत्र में गायन शैली के दो दशक से ज्यादा के सफर को लेकर बुलंदियां छूते सुमित सातरोड ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को उजागर किया है, कि लोक कला के जरिए समाज में फैली कुरितियों को दूर करके सामाजिक समरसता की अलख जगाई जा सकती है।

लोक गायक सुमित सातरोड का जन्म 01 जनवरी 1974 को हिसार में गांव सातरोड में एक सामान्य परिवार में शिवकुमार शर्मा व संतोष देवी के घर में हुआ। जब वह तेरह साल के थे तो 1987 में उनके पिता का निधन हो गया था, जो एक सरकारी नौकरी में थे। पिता के निधन से पूर्व हमारी माता को नौकरी मिली, जिन्होंने हमारे लालन पालन और पढ़ाई का पूरा

ध्यान रखा और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग भी कराई। बकौल सुमित उन्हें बचपन से ही संगीत का बहुत शौक था, परंतु परिवार में किसी प्रकार का कोई संगीत या कला का माहौल नहीं था और परिवार में उनके अलावा किसी अन्य सदस्य की इस क्षेत्र रुचि थी। सुमित को बचपन से नृत्य का अधिक शौक रहा। उनके गांव में हर छह महीने में गायन के लिए सुप्रसिद्ध लोकगायक मास्टर सतबीर सिंह भैंसवाल आते थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद जब अपने गांव में मास्टर सतबीर सिंह भैंसवाल का गाना सुना, तो उन्हें पहली बार यह अहसास हुआ कि इस लोक गायकी से अच्छा कुछ नहीं है और तभी से उन्होंने भी अपना सारा ध्यान इसी लोक गायन संस्कृति पर केंद्रित करना शुरू कर दिया। उनके गायन शैली की शुरुआत साल 2000 भजन से की, जिसके बाद इतिहास और गाथाओं से जुड़े किस्सों पर रागनी गायन शुरू किया। हालांकि इसके लिए उन्हें घर परिवार और अपने संघी साथियों के विरोध का भी सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने लक्ष्य की तरफ ध्यान केंद्रित रखा और अपनी राह पर आगे बढ़ता रहा। वैसे भी हरियाणवी कवियों में से पंडित लखमी चंद मुख्य रूप से उनका आदर्श रहे, वहीं लोक गायन शैली में पं. लखमी के शिष्य पंडित मांगेराम और शहीद कवि जाट मेहर सिंह की गायन शैली से भी वह बहुत प्रभावित हैं। लोक संस्कृति पर उनकी रागनी गायकी का फोकस रहा है। उनकी गायन शैली में आध्यात्मिक व सामाजिक शास्त्र और श्रृंगार रस का समावेश भी रहा है।

सम्मान व पुरस्कार

रागनी गायक शैली के लोक कलाकार सुमित सातरोड ने विभिन्न विधाओं में अपनी कला के हुनर से हरियाणा ही नहीं, देश के कई राज्यों में सांस्कृतिक मंचों पर सम्मान पाया है। इसमें बाबा रामदेव की बायोपिक में गौ माता के भजन के ही करीब 15 सांस्कृतिक रत्न के रुप में पतंजलि योगपीठ से सांस्कृतिक अवार्ड शामिल हैं। इसके अलावा रागनी प्रतियोगिताओं और गांवों के मंच पर सैकड़ो पुरस्कार सम्मान उनके नाम दर्ज हैं।

सोशल मीडिया का प्रभाव चिंतनीय

आज के इस आधुनिक युग में लोककला और लोक गीतों की स्थिति बहुत ही दयनीय है। आज के इस सोशल मीडिया युग में हमारे मूल गीतों को दबाया जा रहा है, क्योंकि नाबालिग बच्चों के हाथों में मोबाइल फोन है और वह इस आकर्षण में फंसते जा रहे हैं। बच्चों का हमारी मूल संस्कृति के प्रति कम रुझान है। लोक गायक सुमित सातरोड ने सामाजिक, अध्यात्म और लोक संस्कृति को अपनी कला से आगे बढ़ाने के लिए दस साल की इंजीनियरिंग की नौकरी को छोड़ दिया था। उनका कहना है कि नौकरी से ज्यादा अच्छा लोक गायकी के क्षेत्र में बेहतर करियर दिखा। सुमित का कहना है कि हरियाणा में पहले पहले नाट्य स्वांग का प्रचलन शुरू हुआ था, इसके बाद फिर सन 1920 के आसपास पंडित लखमी चंद ने रागनी गायन के दौर की शुरुआत की, जिसमें इसमें मटका, बेंजो, हारमोनियम सब बजाए जाते हैं।

खबर संक्षेप

भिवानी। डॉ. श्यामा प्रसाद को नमन करते राजेश धनखड़ व अन्य।

डॉ. श्यामा प्रसाद के बलिदान को देश हमेशा रखेगा याद: धनखड़

भिवानी। जनसंघ के संस्थापक शहीद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जिला भाजपा कार्यालय में कार्यालय सचिव राजेश धनखड़ ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने स्टाफ के साथ डॉ. मुखर्जी के बलिदानी को याद किया। उन्होंने कहा कि आज हिंदुस्तान में जो भाजपा की सरकार चल रही है और जिन नीतियों पर काम हो रहा है, ये सब उन्हीं की देन है। धनखड़ ने उन्हें याद करते हुए उनके संस्मरण बताएं। उन्होंने कहा वह पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने कश्मीर को भारत का अंग बनाने के लिए मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया। इस अवसर पर सुरेन्द्र बापोड़ा,रमन बामला, विशाल बागड़ी, पंकज आदि मौजूद रहे।

प्रदीप बने भारतीय महिला कुश्ती टीम के कोच

हिसार। रैसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने जिले के गांव खारिया निवासी अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कोच प्रदीप खारिया को जॉर्डन के शहर अम्मान में होने वाली अंडर-23 एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में भारतीय महिला टीम के कोच की कमान सौंपी है।

विकास इनेलो स्पोर्टस सैल के हलका अध्यक्ष नियुक्त

हिसार। इंडियन नेशनल लोकदल के स्पोर्ट्स सैल के जिला अध्यक्ष चरण सिंह बालक ने वरिष्ठ नेताओं से विचार विमर्श के बाद विकास डाटा को नारनौंद हलके का स्पोर्टस सैल का अध्यक्ष नियुक्त किया है। चरण सिंह ने उम्मीद जताई कि विकास सिहाग पार्टी संगठन की मजबूती के लिए कार्य करेंगे व स्पोर्टस सैल से अधिक से अधिक युवा खिलाड़ियों को जोड़ने का कार्य करेंगे। विकास सिहाग डाटा ने उन्हें पार्टी का नारनौंद हलका स्पोर्टस अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व व सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन पर जो विश्वास जताया है उस पर वे खरा उतरेंगे और पार्टी को मजबूती दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत्त रहेंगे।

संत कबीरदास जैसे महापुरूषों ने समाज को सही राह दिखाई

युवाओं को जल संरक्षण व नशे से दूर रहने की दिलवाई शपथ

भिवानी। संत कबीरदास को नमन करते महंत चरणदास महाराज व अन्य।

महंत चरणदास ने कहा कि संत कबीरदास ने दुनिया को मानवता और प्रेम का पाठ पढ़ाया।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

संत कबीरदास जैसे महापुरूषों ने समाज को सही राह दिखाने का काम किया है, जिनके द्वारा दी गई शिक्षाओं पर चलकर ही एक सभ्य समाज की संरचना की जा सकती है। महापुरूषों की जयंती एवं पुण्यतिथि जैसे कार्यक्रम उनके जीवन आदर्शो से परिचित होने का मौका मिलता है, जो कि युवा पीढ़ी के लिए बहुत आवश्यक है, ये बात हनुमान जोहड़ी मंदिर के महंत चरणदास महाराज ने युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट के तत्वावधान में मंदिर में संत कबीरदास महाराज के प्रकट दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर संत कबीरदास महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी बताई शिक्षाओं पर चलने के अलावा उपस्थित लोगों को जल एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने तथा नशे जैसी सामाजिक बुराईयों से दूर रहने की शपथ दिलवाई गई।

तरक्की का मार्ग दिखाया

महंत चरणदास ने कहा कि संत कबीरदास ने न केवल सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, बल्कि दुनिया को मानवता और प्रेम का पाठ पढ़ाया। उन्होंने जो मार्ग दिखाया, वह पीढ़ियों को भाईचारे एवं सद्भाव के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहेगा। रमेश सैनी ने कहा कि कबीरदास जैसे महापुरूषों ने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से समाज को राष्ट्र की तरक्की का मार्ग दिखाया था।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलदीप, जेवली, सतेंद्र जेवली, अमन, मंथन, चेतन, मनीष, राहुल, मुकेश, राजेंद्र सिंह, वीरभान, जगदीश आदि मौजूद रहे।

'भाजपा की नीतियों से जनता परेशान'

- घुमंतू-अर्धघुमंतु जनजाति टास्क फोर्स की हुई सामाजिक न्याय मंथन बैठक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। बैठक के दौरान मौजूद घुमंतू-अर्धघुमंतु जनजाति टास्क फोर्स के सदस्य।

हांसी रोड स्थित पीजी पर रविवार को घुमंतू-अर्धघुमंतु जनजाति टास्क फोर्स की सामाजिक न्याय मंथन बैठक हुई। बैठक में मुख्यतिथि के तौर पर प्रदेश के डीएनटी टास्क फोर्स के प्रदेश चेयरमैन अशोक बरतिया पहुंचे। बैठक का आयोजन वाइस चेयरमैन राजकुमार नायक ने किया। इस मौके पर कार्यकारी चेयरमैन डॉ. धनकुमार, बाबा बलदेव सिंह, वाइस चेयरमैन शिवा वैद, महासचिव कर्मजीत कौर, हरिओम नायक, धर्मपाल भाट व अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। चेयरमैन बरतिया ने कहा कि भाजपा की नीतियों से परेशान जनता का फिर से कांग्रेस में विश्वास व जनाधार बढ़ रहा है। प्रदेश की जनता अब बदलाव चाहती है तथा कांग्रेस को प्रदेश की बागडोर संभलवाना चाहती है। डीएनटी समाज का उत्थान सिर्फ कांग्रेस ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने पूरे देश में सामाजिक न्याय पर आयोजन कर अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्प संख्यक व डीएनटी समाज की स्थिति पर अपना उद्देश्य स्पष्ट किया है। बरतिया ने कहा कि डीएनटी समाज की सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित करने को प्रत्येक विधानसभा स्तर पर टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। इस अवसर पर सुखविंद्र, महिपाल सिंह, प्रकाश भाट, बिल्लू, मनोज, गोविंद, महेंद्र जखौली आदि मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित करते रीतिक वधवा व अन्य। फोटो: हरिभूमि

जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता एवं अखंडता तथा भारत को चुनौती से मुक्त करवाने के लिए अपना बलिदान दिया था। राष्ट्रीय एकता व अखंडता के पर्याय, महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. मुखर्जी का रविवार को बलिदान दिवस मनाया गया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपाईयों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भाजपा नेता रीतिक वधवा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी को पूरा राष्ट्र स्मरण कर रहा है और उन्हें भाजपा एवं देशवासी श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद के विचार और जनसेवा के लिए इच्छाशक्ति हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। राष्ट्र एकता के लिए उनके द्वारा किए योगदान को कभी नहीं भुलाया नहीं जा सकता। डॉ. मुखर्जी का जीवन भारत की एकता व अखंडता के लिए समर्पित था, आज जिस विचारधारा से भाजपा की पहचान है, उसे डॉ. मुखर्जी ने स्थापित किया था। डॉक्टर मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धांत वादी थे। डॉ. श्यामा प्रसाद जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे, उनके सपने को प्रधानमंत्री मोदी ने साकार किया है और अनुच्छेद 370 को समाप्त कर पूरे देश में एक झंडा एक कानून बनाने का काम किया।

महिलाओं के अन्दर आध्यात्मिक जागरूकता जरूरी: नागपाल

भिवानी। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के पावन आशीर्वाद से संत निरंकारी सत्संग भवन में संयोजक स्तरीय महिला निरंकारी सन्त समागम का आयोजन किया। कार्यक्रम के अन्दर भिवानी तथा चरखी दादरी जिलों के सभी ब्रांचों से निरंकारी माई-बहनों के साथ साथ अन्य प्रभुभक्त उत्साह और श्रद्धा से शामिल हुए। समागम की अध्यक्षता नीलम नागपाल ने की। उपस्थित मानव समाज को संबोधित करते हुए नीलम नागपाल ने फरमाया कि महिलाएं परिवारों की धुरी होती हैं, यदि परिवार में महिला ब्रह्मज्ञानी होती है तो वह प्रत्येक रूप में अति सुंदर भूमिका निभाती है, जिससे परिवार सुसज्जित होता है। संत निरंकारी मिशन के अंदर जगत माता बुधवन्ती और निरंकारी राजमाता कुलवंत कौर ने भक्ति की बेमिसाल उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि घर में बच्चों के आगे ऐसी बातें न करें जिससे बच्चों के मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़े, क्योंकि बच्चों के अंदर ग्रहण शक्ति ज्यादा होती है और नकारात्मक बातें उनके मन के अंदर अधिक तीव्र गति से प्रवेश करेंगी जिसको बाद में सुधारना अत्यंत कठिन हो जाता है।

पौधरोपण कर चावला को दी श्रद्धांजलि

- नंदलाल चावला व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का मनाया बलिदान दिवस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। पौधरोपण करती पूर्वमंत्री एवं भाजपा नेत्री किरण चौधरी।

नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन स्वर्गीय नंदलाल चावला के 16वें व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर पौधरोपण व रक्तदान शिविर का आयोजन किया। पार्षद एवं भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विनोद चावला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ तोशाम से विधायक एवं भाजपा नेत्री किरण चौधरी ने नगर परिषद प्रांगण में पौधरोपण व नंदलाल चावला की प्रतिमा पर पुष्पार्पित करके किया। चौधरी ने कहा कि स्वर्गीय नंदलाल चावला ने नगर परिषद के चेयरमैन रहते हुए भिवानी शहर के विकास के लिए अनेक कार्य किए। उन्होंने कहा कि चावला ईमानदार और साफ छवि के व्यक्तित्व थे, वे सभी पार्षदों व नगर परिषद स्टाफ को साथ लेकर चलते थे। उन्होंने भू माफियाओं के आगे अपने घुटने नहीं टेके और ईमानदारी की मिसाल पैदा की, जिसकारण उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। विनोद चावला ने बताया कि इस दौरान कमला नगर स्थित दुर्गा मंदिर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया,जिसमें हरियाणा अनुसूचित आयोग के उपाध्यक्ष बिजेन्द्र बड़गुर्जर व रक्तवीर राजेश डुडेजा ने शिरकत की और रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाया। शिविर में एमएस बाड्सा अस्पताल के चिकित्सकों की टीम ने 42 युनिट रक्त एकत्रित किया। इस अवसर पर नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप, देवेंद्र चावला, प्रवीन चावला, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष एडवोकेट शंकर धूपड़, पार्षद संदीप यादव, देवराज महता, गिरधारीलाल, एडवोकेट अविनाश सरदाना, एडवोकेट सोहनलाल मक्कड़,आदि मौजूद रहे।

सोसायटी की अध्यक्षा ने पौधरोपण, गौसेवा व जरूरतमंदों की सेवा कर मनाया जन्मदिन

भिवानी। गोमाता की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है युवाओं को चाहिए कि वे अपने जन्मदिन पर फिजूलखर्ची करने की बजाय गोसेवा करें तथा युवाओं को प्रेरित करने के लिए अभिभावकों को पहल करनी होगी तथा उन्हें किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत गौसेवा कर करनी होगी, तभी बच्चों में अच्छे संस्कारों को पैदा किया जा सकता है। गौसेवा के उद्देश्य से वूमैन हैल्पिंग सोसाइटी की अध्यक्षा सुशीला देवी सिंह ने अपना जन्मदिन रविवार को हालुवास गेट स्थित गोशाला में हरा चारा डालकर, 11 पौधे रोपित कर व जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री वितरित करके मनाया। इस मौके पर इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन के प्रदेशाध्यक्ष चरण सिंह मलिक ने कहा कि आजकल लोगों पर पाश्चात्य संस्कृति का खासा प्रभाव है तथा वे अपना जन्मदिन या अन्य खुशी के मौके पर फिजूलखर्ची पर ध्यान देते है, जो गलत है। सुशीला देवी ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति को छोड़ अब लोगों को भारतीय परंपरा का निर्वहन करना चाहिए। इससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर कर्मवीर सिंह, राहुल, बागड़ी, डा. शर्मा, अंजू बाला रोहतक, सुमन, पिंकी, प्रीति, सीता, निक्की आदि उपस्थित रहे।

जरूरतमंद लोगों को वस्त्र वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। जरूरतमंदों को प्रसाद व वस्त्र वितरित करते भाविप सदस्य।

- भाविप मुख्य शाखा के सांस्कृतिक सप्ताह का समापन

भारत विकास परिषद की मुख्य शाखा द्वारा 17 से 23 जून तक चलाए सांस्कृतिक सप्ताह की कड़ी में शनिवार सांय शिव नगर कॉलोनी स्थित श्रीराम मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ एवं रामायण प्रश्नोत्तरी के आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत मीरादेवी गर्ग द्वारा गणेश वंदना के साथ की गई।

इसके बाद डॉ. संध्या गर्ग एवं बेबी चंदा द्वारा सुंदर-सुंदर भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पवन बंसल ने एकादशी व्रत की जानकारी दी।

संजू बंसल एवं राज हलवासिया ने प्रश्नोत्तरी के माध्यम से रामायण की जानकारी सांझा की तथा सही उत्तर देने वाले नागरिकों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में आरती के बाद लड्डू प्रसाद वितरण किया। मिनी बाईपास स्थित श्रीराम चौक जरूरतमंद लोगों को वस्त्र एवं भोजन प्रसाद वितरित किया। परिषद के सचिव अधिवक्ता ललित शर्मा ने कहा कि सांस्कृतिक सप्ताह के तहत विभिन्न समाजसेवा के कार्य कर युवाओं को समाजसेवा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा से बड़ी मानव सेवा दूसरी नहीं हो सकती है। इस अवसर पर अशोक शर्मा, रेखा गुप्ता, गीतू कामरा, आशा गुप्ता, चंद्रकांता हलवासिया, सुमन तायल, मीना शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, सुशील गुप्ता, बृजपाल आदि मौजूद रहे।

बाहरी प्रत्याशी नहीं होगा बर्दाश्त

- तोशाम की जाट धर्मशाला में पंचायत में एकत्रित हुए विभिन्न संगठन व आमजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ तोशाम

भिवानी। तोशाम की जाट धर्मशाला में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी व लोगों को संबोधित करते किसान नेता।

आज बदलाव की जरूरत है, क्योंकि तोशाम विधानसभा क्षेत्र की जनता ने कई बार धोखा खाया है। उक्त शब्द रविवार को तोशाम की जाट धर्मशाला में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी व लोगों को संबोधित करते हुए किसान नेता रमेश टमाटरवाले ने कहे। उन्होंने कहा केंद्र और प्रदेश सरकार ने लगातार 10 साल से किसान, मजदूर, नौजवान, व्यापारी, कर्मचारी, महिलाओं की रक्षा के साथ अन्याय किया और इसका सबक लोकसभा चुनाव में जनता ने दे दिया है। पंचायत की अध्यक्षता किसान नेता सूरत सिंह पहलवान जूई ने की। मंच संचालन कुलदीप पटौदी ने किया। सभी वक्ताओं ने एक सुर में विस चुनाव में भाजपा उम्मीदवार को हराने का संकल्प लिया। पंचायत में सर्वसमिति से प्रस्ताव पारित किया कि कांग्रेस हाईकमान को पत्र लिखकर और मिलकर अनुरोध किया जाएगा जो किसान मजदूर कर्मचारी, महिलाओं की लड़ाई लड़ने वाले को ही तोशाम हलके का उम्मीदवार बनाया जाए। पैराशूट से उतरे उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा और पंचायत में फैसला हुआ कि 14 जुलाई को तोशाम हलके में सर्वजातीय महापंचायत का आयोजन किया जाएगा और आगामी रूपरेखा तैयार की जाएगी। इस अवसर पर किसान नेता मेवासिंह आर्य, कर्मचारी नेता राजपाल चाहर, डॉ. सीताराम सिंगल, जयपाल तंवर, रामनिवास गुज्जर सरपंच दांग, राव बलबीर, साहिल श्योराण, मुकेश धानक, बालकिशन गोयल, मामनराम वाल्मीकि, सुरेश जोगी, रिकेश जांगड़ा आदि मौजूद रहे।

स्वयंसेवकों ने की सफाई

- श्रीदेवसर धाम स्वयंसेवक टीम में 40 से ज्यादा युवा जुड़े हुए हैं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। श्रीदेवसर धाम परिसर में साफ सफाई करते स्वयंसेवक।

स्वयंसेवकों ने श्रीदेवसर धाम में स्वच्छता पखवाड़ा अभियान चलाया। स्वयंसेवक गोपाल तंवर, राम की टीम ने देवसर मोड, श्रीदेवसर धाम मंदिर परिसर, मां भवानी की फेरी श्रीदेवसर धाम के पहाड़ों की सफाई की।

श्रीदेवसर धाम स्वयंसेवक टीम में 40 से ज्यादा स्वयंसेवक युवा जुड़े हुए हैं। स्वयंसेवक टीम के संयोजक गोपाल तंवर ने बताया कि श्रीदेवसर धाम स्वयंसेवक टीम गांव में हर सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेती है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक टीम ने करोनाकाल में मंदिर परिसर में सैनिटाइजर करना, वैक्सीन के कैंप लगाना, देवसर धाम मंदिर में नवरात्रों के समय भक्तों की सेवा, गांव में नशा मुक्ति के लिए कैंपेन चलाना, गांव में पेड़ पौधें लगाने आदि कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेती है। टीम ने काफी संख्या में पेड़ पौधे मां भवानी की फेरी और स्टेडियम में लगाए है।

सफाई अभियान में नरेंद्र हिंदू, प्रवीण हिंदू, अंकित हिंदू, प्रशांत, हर्ष, राहुल, रवि, नवीन हिंदू, दीपांशु, दीपेश, दीपेंद्र हिंदू, साहिल हिंदू शुभम, अमित आदि ने भाग लिया।

अधिक बोलने से हमारी शक्ति होती है नष्ट:जगदम्बा सरस्वती

ब्रह्मावत्सों ने बड़ी धूमधाम से मनाया मम्मा डे

- अपने ज्ञान, योग, पवित्रता के बल से विश्व की सेवा करते हुए मम्मा-सरस्वती ने 24 जून 1965 को अंतिम सांस ली

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी की शाखा सिद्धि धाम में शाखा प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन के मार्गदर्शन में ब्रह्मावत्सों ने पूर्व संध्या पर मम्मा डे बड़ी धूमधाम से मनाया। ब्रह्मावत्सों ने बताया कि जगदम्बा सरस्वती (मम्मा)का बचपन का नाम राधे था, इनका जन्म 1919 में अमृतसर में हुआ। पिता का नाम पोकरदास व माता का नाम रोचा था। एक दिन राधे भी अपनी मां के साथ सत्संग में गईं। उन्हें देखते ही दादा को लगा कि यह तो मेरी वारिस बेटी है और राधे को भी लगा यह तो मेरा बहुत काल में बिछुड़ा हुआ वही पिता है। दादा लेखराज राधे को आलौकिक परमात्म ज्ञान की शिक्षा-दीक्षा देने लगे। मानव समाज को मम्मा ने जीवन के अनुभव से बहुत बड़ी देन दी है कि अपने जीवन को सफल बनाने के लिए व विश्व सेवा के लिए बीस नाखूनों की शक्ति लगा दो तो सफलता अवश्य आपके हाथ लगेगी। मम्मा बहुत कम बोलती थीं और दूसरों को भी कम बोलने का इशारा करती थीं। अधिक बोलने से हमारी शक्ति नष्ट हो जाती है, ऐसा मम्मा का कहना था। इस प्रकार अपने ज्ञान, योग, पवित्रता के बल से विश्व की सेवा करते हुए मम्मा-सरस्वती ने 24 जून 1965 को अंतिम सांस ली। उन्होंने बताया कि मम्मा निर्भय बहुत थी। वह कभी किसी से डरती नहीं थीं, शक्ति स्वरूपा थी, सदा योगनिष्ठ थी। कर्मेन्द्रीनिंद्रियां सदा उनके अधीन थी,वे सबको मातृ प्रेम की भासना देती थी। इतना ही नहीं उनकी लौकिक मां भी उनको मम्मा ही कहती थी। इस मौके पर बीके आरती व मीडिया प्रभारी बीके धर्मवीर आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

भिवानी। आर्य समाज में योग शिविर में योग करते आचार्य हरपाल शास्त्री।

योग ही स्वस्थ्य जीवन का आधार: शास्त्री

बहल। आर्य समाज मंदिर बहल में योग रत्न योगाचार्य हरपाल शास्त्री के मार्गदर्शन में ध्यान-योग- साधना एवं चिकित्सा शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर में आए लोगों को योग को विभिन्न विधाओं और उनसे होने वाले फायदो के बारे में बताया। रविवार को शिविर में अतिथियों ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शिविर में विशेष रूप से हृदय रोगों पर आधारित योग क्रियाओं के बारे में बताया। इसके अलावा शरीर को स्वस्थ रखने के लिए त्रिकोणआसन, ताडासन, वज्रासन अर्ध चक्रासन, पवन मुक्त आसन, उत्तानपाद आसन कराए गए।

शोभायात्रा निकालकर मनाई कबीर की जयंती

तोशाम। संत कबीर छात्रावास एवं शिक्षा समिति तोशाम द्वारा रविवार को संत शिरोमणि कबीर साहेब की 627वीं जयंती धूमधाम से मनाई। इस दौरान भंडारे सहित कस्बे में शोभायात्रा निकाली। इस दौरान बतौर मुख्यतिथि रवि खनगवाल ने शिरकत की तथा अध्यक्षता विक्रम दुग्गल बजीना ने की। उल्लेखनीय है कि रविवार को संत शिरोमणि कबीर साहेब की 627वी जयंती संत कबीर धर्मशाला में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में अतिथियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।
आयोजक समिति द्वारा आयोजित भंडारे में सैंकड़ो लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

बाबा चेतराम अखाड़ा में दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता का आगाज

भिवानी कुमार व भिवानी केसरी के लिए बाल व युवा पहलवानों ने दिखाए जौहर

- दादू दयाल हाई स्कूल के बाबा चेतराम अखाड़ा में 2 दिवसीय प्रतियोगिता का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पतराम गेट स्थित दादू दयाल हाई स्कूल के बाबा चेतराम अखाड़ा में दो दिवसीय भिवानी कुमार व भिवानी केसरी की जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आगाज रविवार से हुआ। प्रतियोगिता महंत दौलतराम के सानिध्य में हुआ, जिसमें 300 से अधिक पुरूष एवं महिला पहलवान अपनी प्रतिभा के जौहर दिखा रहे हे। प्रतियोगिता पहलवान मोहन के मार्गदर्शन में हो रही हैं। दर्शक दीर्घा में बैठे वरिष्ठ पहलवानों ने बाल पहलवानों का हौसला बढ़ाया। प्रतियोगिता के शुभारंभ में सभी पहलवानों के वजन किए। इस मौके पर भारतीय खेल प्राधिकरण के कोच बृजभान, भूपेंद्र सिंह, सेवानिवृत्त कोच राजेंद्र सागवान, सांई कोच हेमंत, शिक्षा, कोच राजेंद्र, वरिष्ठ कोच सुरेश ग्रेवाल, रविंद्र ठाकन, राहुल, सुखदेव, ओमप्रकाश विशेष तौर पर मौजूद रहे। प्रतियोगिता में पहुंचे सभी अतिथियों का पहलवान

भिवानी। एक दूसरे पर दांव पेच आजमाते पहलवान। फोटो :हरिभूमि

74 से 125 किग्रा तक के खिलाड़ी लेंगे भाग

जिला खेल अधिकारी व कोच राजेंद्र ने बताया कि पुरुष वर्ग की फ्री स्टाइल में 57, 61, 65, 70, 74, 79, 86, 92, 97 व 125 किलोग्राम भारवर्ग के खिलाड़ी भाग ले रहे है। सीनियर पुरुष की ग्रीको रोमन स्टाइल में 55, 60, 63, 67, 72, 77, 82, 87, 87, 97, 130 किग्रा, अंडर-17 आयुवर्ग की सब जूनियर की महिला फ्री स्टाइल में 36-40, 43, 46, 49, 53, 57, 61, 65, 69, 73 भारवर्ग के खिलाड़ी भाग ले रहे है।

74 किग्रा तक के खिलाड़ी दिखा सकेंगे दमखम

उन्होंने बताया कि अंडर-17 आयुवर्ग की पुरुष फ्री स्टाइल में 41-45, 48, 51, 55, 60, 65, 71, 80, 92, 110 तथा अंडर-17 आयुवर्ग की पुरुष ग्रीको रोमन में 45, 48, 51, 55, 60, 65, 71, 80, 92, 110 किग्रा भार वर्ग के खिलाड़ी भाग ले रहे है। उन्होंने बताया कि भिवानी कुमार के लिए 74 किलोग्राम तक तथा भिवानी केसरी के लिए 74 से 125 किलोग्राम तक वजन के खिलाड़ी भाग ले रहे है।

मोहन व अन्य वरिष्ठजनों ने पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। पहलवान मोहन ने बताया कि स्पर्धा के दूसरे दिन परिणाम की घोषणा की जाएगी। कुश्ती को बढ़ावा देने व कुश्ती खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से ये आयोजन किया हैं।

भिवानी। खिलाड़ियों व कोच के साथ पदक विजेता नुपूर व पूजा।

मुक्केबाज नुपुर व पूजा ने जीता कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हाल ही में 12 से 23 जून तक रूस के कजान में आयोजित ब्रिक्स खेलों में मुक्के का दम दिखाते हुए द्रोणाचार्य कैप्टन हवासिल बॉक्सिंग एकेडमी की महिला मुक्केबाज नुपुर ने 81 से अधिक किलोग्राम भारवर्ग व पूजा बोहरा ने 75 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश व देश का नाम पूरे विश्व में रोशन किया।

प्रतियोगता में 20 से अधिक देशों के 5 हजार के लगभग खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें नुपुर व पूजा बोहरा ने अपने प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को मात देते हुए ये दिखा दिया कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं। विजेता खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय भीम अवार्डी कोच संजय श्योराण व अपने परिजनों को दिया। खिलाड़ियों की सफलता पर डॉ. एलबी गुप्ता, कोच संजय श्योराण, एकेडमी महासचिव प्रीतम दलाल, कैप्टन बन्नीसिंह आदि ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राष्ट्रीय जूनियर रग्बी-सेवनथ के लिए घोषित टीम में दो खिलाड़ियों का चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रावलधी बाईपास चौक स्थित शहीद भगत सिंह खेल अकादमी में चल रहे समर कैम्प के खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए जिला रग्बी फुटबॉल एसो.दादरी के प्रधान अधिवक्ता मेहरचंद सांगवान ने बताया कि पिछले सप्ताह से जींद की रॉयल खेल अकादमी में राष्ट्रीय रग्बी खेल प्रतियोगिता के लिए शिविर चल रहा था, उसमें दादरी के तीन खिलाड़ियों में से दो खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। जिला सचिव राजेश तक्षक ने बताया कि 9वीं राष्ट्रीय जूनियर (लड़के) रग्बी सेवनथ फुटबॉल प्रतियोगिता पुणे के वालेवाड़ी खेल कॉम्प्लेक्स में 25 व 26 जून को आयोजित होगी। कोच सुदेश तक्षक व जयभगवान रावलधी ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये बहुत ही खुशी की बात है कि शहीद भगत खेल अकादमी के हैप्पी मिसरी और अभिमन्यु दादरी का चयन प्रतियोगिता के लिए हुआ।

भिवानी। पदाधिकारियों व अन्य खिलाड़ियों के साथ टीम में चयनित खिलाड़ी।

क्रिकेट में विनोद मैन ऑफि दी मैच रहे

- भिवानी चैलेंजेर्स क्रिकेट कप के सेमीफाइनल मुकाबले में टीमों ने दिखाए जौहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आईपीएल की तर्ज पर जी लिट्रा ग्राऊंड में आयोजित पहले भिवानी टी-20 चैलेंजर्स क्रिकेट कप का सेमीफाइनल मुकाबला हुआ। सेमीफाइनल मुकाबले में महाबीर इंडिया (एमआई) व तारा घंटाघर क्लब (टीजीटीसी) विजेता रही, जो अब फाइनल मुकाबला खेलेगी। सेमीफाइनल मुकाबले में बतौर मुख्यतिथि नैक्सा भिवानी के जीएम ईश्वर चौहान ने शिरकत की। इस दौरान उनके साथ विकास चौहान, चंद्रपाल, रविंद्र परमार भी साथ रहे। क्रिकेट कप का आयोजन नरेश कोच तिगड़ाना, कृष्ण जोंटी, संजय बापोड़ा, सतीश परमार ने किया, जिसमें प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से 8 टीमें भाग ले रही है। नरेश कोच ने बताया कि क्रिकेट कप के विजेता को पांच लाख तो द्वितीय को दो लाख 50 हजार रुपये की राशि से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा मैन ऑफ दी सीरिज को 51 हजार, मैन ऑफ दि मैच को 5100, बेस्ट बैस्टमैन को 10 हजार, बेस्ट बॉलर को 10 हजार तथा बेस्ट फिल्डर को 10 हजार रुपये की राशि से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सेमीफाइनल मुकाबला कलानौर नाइट राईडर्स (केकेआर) व महाबीर इंडिया (एमआई) के बीच हुआ, जिसमें केकेबार ने 142 तथा लक्ष्य का पीछा कर एमआई ने 13 ओवर में ही मैच जीत लिया। मैच में विनोद मैन ऑफि दी मैच रहे।

भिवानी। महाबीर इंडिया टीम के मैन ऑफ दि मैच विनोद को सम्मानित करते।

कॉलेज नॉन-टीचिंग एम्पलाइज यूनियन ने सीएम को सौंपा मांगपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रदेश सरकार हरियाणा के प्राइवेट एडिड कॉलेज के नॉन टीचिंग स्टॉफ की जायज मांगों को जल्द पूरा करें, जिससे सरकार द्वारा सरकारी कॉलेज के नॉन टीचिंग स्टॉफ को मिल रही सुविधाओं का लाभ प्राइवेट एडिड कॉलेज के नॉन टीचिंग स्टॉफ को भी मिल सके। ये बात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भिवानी दौरे के दौरान मांगपत्र मुख्यमंत्री को सौंपने के पश्चात नॉन टीचिंग स्टॉफ को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अभिषेक कौशिक ने कही।

यूनियन की भिवानी इकाई का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष अभिषेक कौशिक के नेतृत्व में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिला तथा उनको विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा,जिसमें एडिड कॉलेज के नॉन-टीचिंग कर्मचारियों को एसीपी का लाभ देने, सातवें वेतनमान के अनुसार संशोधित मकान किराया भत्ता देने, एडिड कॉलेज के कर्मचारियों को सरकारी महाविद्यालय में समायोजित करने, कर्मचारियों को मेडिकल भत्ते, चिकित्सक प्रतिपूर्ति का लाभ देने तथा मृतक कर्मचारियों के परिवार के सदस्य को एक्सग्रेशिया स्कीम के तहत नौकरी देने की मांग की।

राव दानसिंह ने हलकावासियों का किया धन्यवाद

- हलकावासियों ने राव दानसिंह को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

अनाजमंडी परिसर में रविवार को समाजसेवी राजबीर फरटिया के संयोजन में धन्यवाद सभा का आयोजन किया, जिसमें भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी एवं महेंद्रगढ़ विधायक राव दानसिंह ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की। सभा में राव दानसिंह ने लोकसभा चुनावों में भरपूर समर्थन देने के लिए हल्कावासियों का आभार जताया।

सभा के दौरान फरटिया ने अपने सिंघानी के निजी महाविद्यालय में बेटियों के लिए निःशुल्क शिक्षा मुहैया करवाने की घोषणा की। विधायक राव दानसिंह ने कहा कि लोकसभा चुनावों में भले ही वे कुछ अंतर से हार गए, लेकिन लोहारू हलका सहित भिवानी व दादरी जिले के लोगों ने उन्हें भरपूर समर्थन दिया है, जिसके लिए वे हमेशा उनके आभारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों व अनुसूचित जाति के भाइयों ने एकजुटता का परिचय दिया, जिसकारण भाजपा केंद्र में पूर्ण बहुमत हासिल नहीं कर सकी। राव दानसिंह ने कहा कि राजबीर फरटिया ने लोहारू हलके में बेटियों के कल्याण के लिए अद्वितीय कार्य किया है, जिसके परिणाम उन्हें आने वाले दस वर्षों में देखने को मिलेंगे। पूरे देश में कांग्रेस उभरकर आ रही है।

लोहारू। धन्यवाद सभा में राव दानसिंह को पगड़ी पहनाकर सम्मानित करते राजबीर फरटिया व अन्य। फोटो : हरिभूमि

बेटियों का शिक्षित होना बहुत जरूरी: फरटिया

उन्होंने कहा कि आने वाले तीन महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं तथा लोहारू हलके से कांग्रेस के उम्मीदवार को विधानसभा में पहुंचाने का काम करना है। पूर्व जिला प्रमुख राजबीर फरटिया ने सामाजिक कार्यों के सफर को आगे बढ़ाते हुए अपने शारदा महिला महाविद्यालय सिंघानी में लड़कियों के लिए निःशुल्क शिक्षा की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दो परिवारों को संस्कारित करने वाली बेटियों का शिक्षित होना जरूरी है।

बाबा निरवाणा धाम में हवन, जागरण- भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

गांव काकड़ौली हुकमी स्थित बाबा निरवाणा धाम परिसर में समस्त ग्रामीणों के सहयोग से धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस दौरान प्रातः हवन, जागरण व भंडारे का आयोजन हुआ। आसपास के दर्जनों गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने बाबा के धाम पर मत्था टेका।

धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान हरियाणा माइनिंग क्रेशर एसोसिएशन प्रधान सोमवीर घसौला व उनकी टीम ने कार्यक्रमों में शिरकत की। मोनू घसौला ने धाम परिसर में आयोजित धार्मिक व सामाजिक आयोजनों में सहयोग किया। ग्रामीणों व आयोजन कमेटी ने उनका फूल मालाओं व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। सभी ने हरियाणा माइनिंग क्रेशर एसोसिएशन प्रधान सोमवीर घसौला व उनकी टीम चलाई जा रही समाजसेवा की मुहिम व कार्यों की सराहना की। हवन में काकड़ौली हुकमी सहित आसपास के गांवों से आए मौजिज व्यक्तियों ने पूणार्हुति अर्पित कर विश्व कल्याण की कामना की। भजन गायकों ने बाबा की महिमा का गुणगान सुंदर भजनों से किया। भंडारे में हजारों नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच रमेश, मास्टर जयभगवान, सीताराम शर्मा, नरेश, देवराज, अंकुर श्योराण, मास्टर जयदीप, दिनेश आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

गांव पपोसा में नालियां टूटी सफाई व्यवस्था भी चरमराई

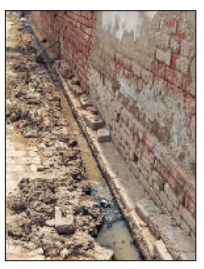

बवानीखेड़ा। गांव पपोसा में नालियों की व्यवस्था चरमराई हुई है, जिसकारण गंदे पानी की निकासी का पानी घरों की नींव में बैठ रहा है, जिससे मकानों की नींव कमजोर हो रही है। ग्रामीणों में विक्रम, गुरूदयाल, भगतसिंह, नवीन, अमनदीप, दिनेश , प्रवेश आदि ने बताया कि लगभग दो वर्ष पहले धानक चौपाल के पास दो गलियां बनी थी और नालियां तोड़ी गई थी, ताकि नवनिर्माण किया जा सकें, लेकिन अधूरी बनाकर बीच में छोड़ दी। कई बार विभाग को अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन इसकी सुध नहीं ली जा रही है। ग्रामीणों की मानें तो गंदे पानी निकासी के लिए बनाई नालियों का पानी मकानों की नींव में बैठकर उन्हें क्षतिग्रस्त कर रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नालियों के नवनिर्माण की मांग की हैं, ताकि क्षेत्रवासियों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

ओपीएस बहाल संघर्ष समिति ने जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

रविवार को तोशाम बस स्टैंड पर ओपीएस बहाल संघर्ष समिति की आवश्यक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के राज्य महासचिव ऋषि नैन व राज्य ऑडिटर विजय भुना ने की।

बैठक में आगामी एक सितम्बर को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की रणनीति पर चर्चा की और विभिन्न विभागों से आये कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। खंड प्रधान मास्टर रोहताश संडवा ने बताया कि 1 सितम्बर को पंचकूला में सीएम आवास का घेराव किया जाएगा और इससे पहले 1 जुलाई से खंड स्तर व जिला स्तर पर भी प्रदर्शन किए जाएंगे। इस अवसर पर जिला प्रधान विक्रम जीत नेहरा, खंड प्रधान मास्टर रोहताश संडवा, रोडवेज से वीरेंद्र वरिष्ठ प्रधान, कुलदीप नंबरदार, सुरेंद्र संडवा, सुरेंद्र भारीवास, राजेश गांधी, रणधीर, मुकेश, जय सिंह, कुलदीप आदि मौजूद रहे।

तोशाम। सरकार के खिलाफ विरोध जताती ओपीएस बहाल संघर्ष समिति।

जागरूकता अभियान में सुनील डूडीवाला टीम का भी सहयोग रहा

पुलिस ने पैदल मार्च निकालकर नशे के प्रति किया जागरूक

- डीएसपी नरेंद्र सिंह दादरी के नेतृत्व में पैदल मार्च निकाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

शनिवार को डीएसपी नरेंद्र सिंह दादरी के नेतृत्व में नशा मुक्त हरियाणा के तहत पुलिस कर्मचारियों ने शहर में पैदल मार्च निकाला। पैदल मार्च काठमंडी चौक, आंबेडकर चौक, रोहतक चौक, बस स्टैंड से रोड गार्डन पार्क में समाप्त हुआ। इस दौरान पुलिस ने आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरुक किया गया और नशा छोड़ने की शपथ दिलवाई। अभियान में सुनील डूडीवाला टीम का भी सहयोग रहा। डीएसपी नरेन्द्र सिंह ने कहा कि हम सभी चाहते हैं कि हमारे बच्चे नशे से दूर रहें। प्रत्येक माता पिता का कर्तव्य बनता है कि वे अपने बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करें । क्योंकि कई बार बच्चों को समय न देने के कारण वे अकेले में पड़ जाते हैं । कई बार बच्चे गलत संगत मे पड़ने के कारण नशा करने लग जाते हैं। उन्होंने कहा कि आजकल नशा तस्कर नशा बेचने के लिए युवा पीढ़ी को टारगेट करते हैं। नशे की गिरफ्त में युवा पीढ़ी जल्दी आती है, क्योंकि युवा पीढ़ी नशा से अनजान होती है और अनजाने मे नशा की गिरफ्त में आ जाते हैं। दादरी पुलिस का एकमात्र उद्देश्य जिले को नशा मुक्त करना और नशा में संलिप्त लोगों को नशा छुड़वाकर अच्छे समाज का नागरिक बनाना है, इसके लिए जिला पुलिस नशे की तस्करी में संलिप्त अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने का कार्य कर रही है।

भिवानी। शहर में जागरूकता मार्च निकालते पुलिसकर्मी व अन्य।